



नम्बर...30.../2019

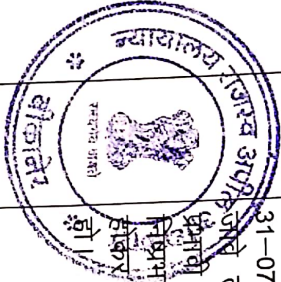
किस्म मुकदमा 225 आरटीए

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
16.07.19	<p>अभिभाषक अपीलांट श्री श्यामदीन पड़िहार उपस्थित । अपील बाद जॉच, रिपोर्ट होकर पेश हुई। जो पंजीबद्ध हो। पत्रावली पर अभिभाषक अपीलांट को सुना गया।</p> <p>विद्वान अभिभाषक अपीलांट ने कथन किया कि अपीलांट की खतेदारी भूमि ग्राम जसवन्तसर तहसील लूणकरनसर के खसरा नम्बर 140 तादादी 10 बीघा, खसरा नम्बर 157 तादादी 10 बीघा, खसरा नम्बर 158 तादादी 12 बीघा 10 बिस्वा कुल 32 बीघा 10 बिस्वा निहित है। जिस पर अपीलांट का कब्जा काश्त चला आ रहा है। ऐसी स्थिति में प्रथम दृष्टया मामला व सुविधा का संतुलन अपीलांट के पक्ष में साबित है। अपीलांट के धारण की भूमि के चिपते ही रेस्पोजेन्ट संख्या 1 की खातेदारी भूमि है। जिस पर रेस्पोजेन्ट संख्या 1 द्वारा अपीलाधीन आदेश जोकि पक्षकारों के मध्य सीमाज्ञान के बाबत पारित किया गया है, की आड़ में अपीलांट की खातेदारी भूमि पर कब्जा करने व अपीलांट को बेदखल करने पर अमादा है। जिसकी अपूरणीय क्षति अपीलांट को कारित होगी। अतः अपीलांट का स्थगन प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर आदेश जैर अपील की पालना स्थगित फरमाई जावे।</p> <p>विद्वान अभिभाषक अपीलांट को सुना गया तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों व अपीलाधीन आदेशों का अवलोकन किया गया।</p> <p>प्रकरण में परीक्षण न्यायालय के एकतरफा अंतरिम आदेश में मौके की स्थिति बनाये रखने का उल्लेख है, परन्तु मौके पर क्या स्थिति है इसके बारे में कोई रिपोर्ट संलग्न नहीं है। अस्थाई निषधाज्ञा अस्पष्ट होने के कारण दोनो पक्ष अलग-अलग अर्थ लगा रहे हैं। जिससे मौके पर विवाद उत्पन्न होने की आशंका है।</p>	




राजस्व अपील अधिकारी
बीकानेर

अतः अपील स्वीकार की जाकर प्रकरण इस निर्देश के साथ रिमाण्ड किया जाता है कि राजस्व कर्मियों की टीम गठित कर मौके पर परम्परागत सीमा चिन्हों का सत्यापन करवाया जावे। वाद प्रस्तुत करने तथा अस्थाई निषेधाज्ञा जारी होने के उपरान्त किसी पक्ष ने सीमा चिन्ह में रद्ददोबदल का प्रयास किया हो तो स्पष्ट उल्लेख किया जावे तथा स्पष्ट आदेश प्रसारित किया जावे।



परीक्षण न्यायालय द्वारा दिनांक 31-07-2017 तक स्पष्ट आदेश जारी किया जाने पर तब तक पूर्व में जारी अस्थाई निषेधाज्ञा धीमावी रहेगी। तत्पश्चात् पूर्व आदेश स्वतः ही निषेधाज्ञा माना जावे। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर वाद तामील व तामील दाखिल दफ़्तर हो।


राजस्थान अर्थ विभाग अधिकारी
राजस्व अधिकारी
बीकानेर